

प्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II--खण्ड 3--उपलण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

स० 47

नई बिल्ली, सोमवार, मार्च 2, 1970/फाल्गुन 11, 1891

No. 47]

NEW DELHI, MONDAY, MARCH 2, 1970/PHALGUNA 11, 1891

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह ग्रलग संकलन के रूप में रखा जा सके। Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF FOOD, AGRICULTURE, COMMUNITY DEVELOPMENT AND CO-OPERATION

(Department of Agriculture) NOTIFICATION

New Delhi, the 27th February 1970

G.S.R. 393.—In exercise of the powers conferred by clause (1) of article 258 of the Constitution, the President, with the consent of the State Governments concerned hereby authorises the Board of Revenue in the State of Andhra Pradesh, Commissioners in the States of Haryana, Madhya Pradesh, Mysore, Punjab and Uttar Pradesh, the Secretary in the Industries Department, Government of Tamil Nadu in the State of Tamil Nadu and the Revenue Appellate Authority in the State of Rajasthan to perform within their respective jurisdiction, the duties of Appellate Authority under sub-section (1) of section 10 of the Produce Cess Act, 1966 (15 of 1966) and the rules made thereunder in respect of Cotton consumed in any mill in India with a view to producing or manufacturing any goods therefrom.

[No. 11-16/69-C.A.I.1

S. J. MAJUMDAR, Addl. Secy.

लाच, कृषि, सामुबायिक विकास और सहकारिता मन्त्रालय

(कृषि विभाग)

ध्रधिसूचना

नई दिल्ली, 27 फरवरी, 1970

जी एस श्यार 393: संविधान के भनु जेंद 258 की धारा (1) द्वारा प्रदत्त धावितयों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति, सम्बन्धित राज्य सरकारों की सहमित से, धांध्र प्रदेश में राजस्व वोर्ड, हरियाणा, मध्य प्रदेश, मैसूर, पंजाब और उत्तर प्रदेश में श्रायुक्तों, तिमलनाडु राज्य में तिमलनाडु सरकार के उद्योग विभाग के सिचव और राजस्थान राज्य में राजस्थ श्रपील प्राधिकारी को भ्रपने क्षेत्राधिकार में, जहां तक कपास से कोई सामान निर्मित करने श्रथवा उत्पादित करने के विचार से किसी मिल के कपास की खपत का सम्बन्ध है, उत्पाद उपकर भ्रधिनयम, 1966 (1966 का 15) के खंड 10 के उपखंड (1) तथा उसके प्रधीन बनाये गये नियमों के श्रन्तर्गत ध्रपील प्राधिकारी का कार्य करने के लिये एतद्द्वारा प्राधिकृत करते हैं।

[11-16/69-फसल प्र०-1] सु॰ ज्यो॰ मजूमदार, ग्रपर समिव।